संपादक
डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल
डॉ. मीना अग्रवाल

ISSN 0975-735X

# शोध दिशा

## 56

UGC APPROVED CARE LISTED JOURNAL

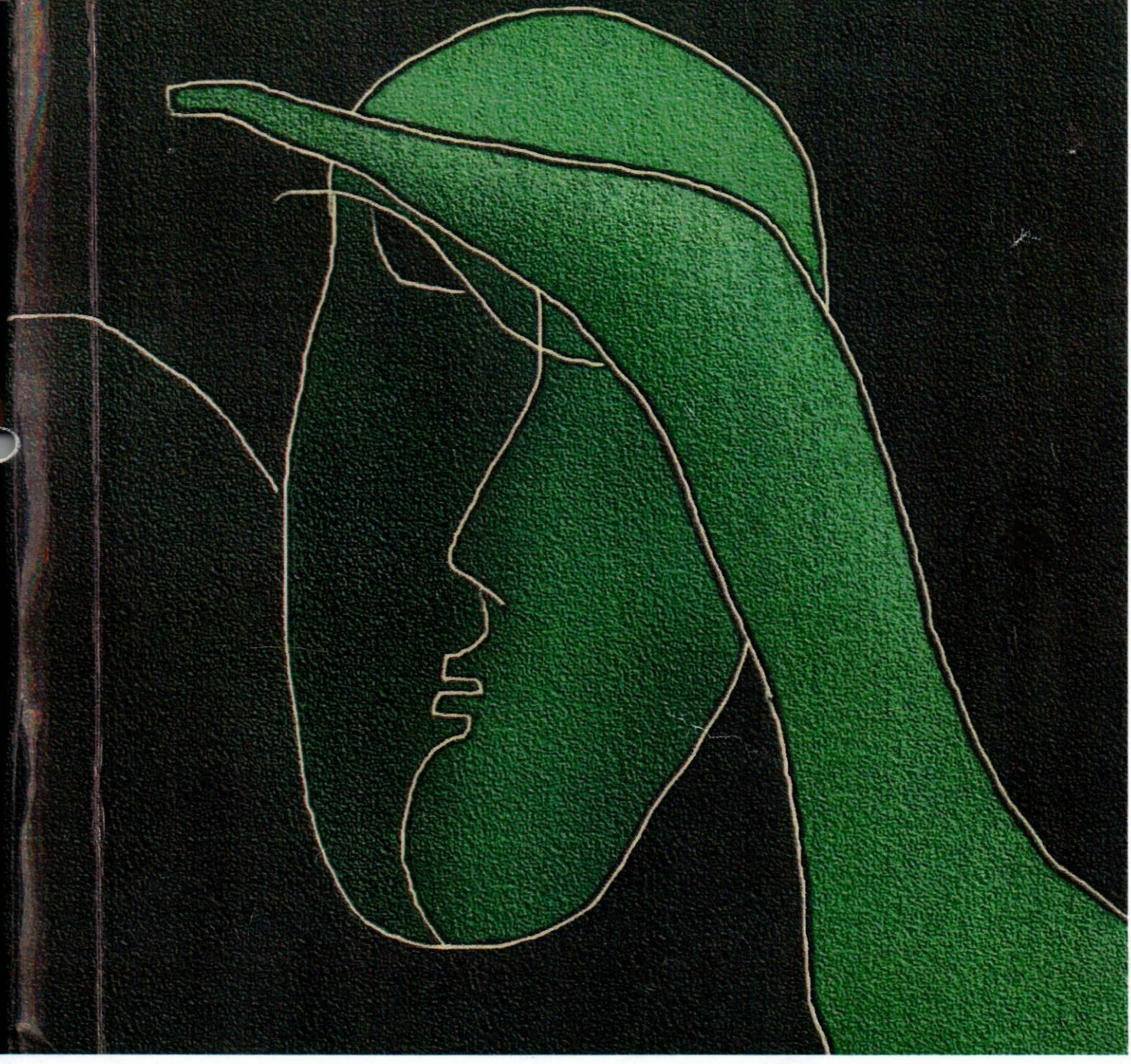

# अनुक्रम


इक्कीसवीं सदी के काव्य में समता शिक्षा और संघर्ष/
**डॉ॰ लक्ष्मण तुळशीराम काळे** 17

समता, स्वतंत्रता और बंधुता की कसौटी पर 'सूत्रधार'/ **डॉ॰ अरुण प्रसाद रजक** 22

समता, स्वतंत्रता और बंधुता के लिए संघर्षरत नारी (नादिरा जाहिर बब्बर की नाटक 'जी जैसी आपकी मर्जी' के संदर्भ में)/ **ग्लिनशिया सी॰एक्स** 28

स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुता की गुहार लगाता 'मोहनदास'/ **डॉ॰ दीपक जाधव** 32

डॉ॰ जयप्रकाश कर्दम का मेरे संवाद : अंबेडकरवादी विचारों का हिमायती/
**डॉ॰ गजानन सुखदेव चव्हाण** 38

इक्कीसवीं सदी के महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में समता/
**डॉ॰ शाहू साईनाथ गणपत** 44

'माटी कहे कुम्हार से' उपन्यास में समता, स्वातंत्र्य और बंधुता/
**डॉ॰ संदीप तानाजी कदम** 48

असंगघोष की कविता में सामाजिक समता के स्वर/ **डॉ॰ कामायनी गजानन सुर्वे** ✓ 52

21वीं सदी के उपन्यासों में नारीमुक्ति संघर्ष एवं स्वतंत्रता की चेतना/
**डॉ॰ शहनाज महेमूदशा सय्यद** 58

इक्कीसवीं सदी के अंबेडकरवादी काव्य में संविधानिक मूल्य/
**डॉ॰ माधव राजप्पा मुंडकर** 62

मैत्रेयी पुष्पा के 'विजन' उपन्यास में समता, स्वातंत्र्य और बंधुता/ **डॉ॰ उत्तम थोरात** 66

21वीं सदी के हिंदी काव्य साहित्य में स्वातंत्र्य/ **डॉ॰ शाहीन अब्दुल अजीज पटेल** 69

डॉ॰ अंबेडकर के विचारों में समता स्वातंत्र्य और बंधुता का प्रभाव (महानायक बाबासाहेब डॉ॰ अंबेडकर' उपन्यास के विशेष संदर्भ में)/
**अशोक गोविंदराव उघडे** 73

21वीं सदी के हिंदी दलितकाव्य में समता, स्वातंत्र्य और बंधुता/
**मारुती दत्तात्रय नायकू** 78

इक्कीसवीं सदी के हिंदी काव्य में संविधानिक मूल्य/ **रगडे परसराम रामजी** 84

21वीं सदी के उपन्यास में समता, स्वातंत्र्य और बंधुता/
**डॉ॰ नीरूबहन एच॰ बोरिसानिया** 89

डॉ॰ नीरजा माधव के 'यमदीप' उपन्यास में समता/ **सोमनाथ तातोबा कोळी** 92

विश्वनाथ त्रिपाठी के संस्मरण की जनकदुलारी और मौलिक अधिकार/
**रूपाली प्रशांत भोसले** 95


ISSN 0975-735X

MAHATMA PHULE MAHAVIDYALAYA PIMPRI PUNE-17

MAHATMA PHULE MAHAVIDYALAYA • PIMPRI,PUNE-17 •

# असंगघोष की कविता में सामाजिक समता के स्वर

**डॉ॰ कामायनी गजानन सुर्वे**
सहयोगी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग
महात्मा फुले महाविद्यालय, पिपरी, पुणे (महाराष्ट्र)

असंगघोष 21वीं शताब्दी के विख्यात हिंदी कवि हैं। मध्यप्रदेश के जावद नामक छोटे से कस्बे में दलित परिवार में आपका जन्म हुआ है। दलितों के यथार्थ जीवन की अभिव्यक्ति हुई है। विषमता के प्रति विद्रोह करते हुए सामाजिक समता के पुरोधा स्वर, दलितों के शोषण का विरोध, प्रस्थापित व्यवस्था के विरुद्ध उठाई गई ईमानदार आवाज, परिवर्तित समानांतर समाज व्यवस्था खड़ी करने की कोशिश, मानवाधिकार के प्रति सजगता जैसी बहुआयामी चेतना से अनुप्राणित असंग जी की कविताओं में नई शती को विद्रोह की ताकत देने वाला आस्थावान विमर्श प्रस्तुत हुआ है। स्वतंत्रता, समता एवं बंधुता भारतीय संविधान प्रणीत मूल्य हैं, जो असंगघोष की कविताओं में प्रतिबिंबित हुए हैं। संविधान शिल्पी भारतरत्न डॉ॰ बाबासाहेब अंबेडकर जी के विचारों में अभिव्यक्त समता एवं अखिल मानव जाति के विकास की आवाज–'शिक्षित बनिए, संगठित हो जाइए और संघर्ष कीजिए' जैसा महत्त्वपूर्ण विचार, विषमता की अस्वीकृति की अनुगूँज असंग जी की कविताओं में ध्वनित होती है। स्वयं प्रशासनिक अधिकारी होने के कारण असंग जी की अनुभूति बड़ी व्यापक है।

**प्रस्तावना**

भारतीय संविधान प्रणीत मूल्य हैं–स्वतंत्रता, समता, बंधुता एवं न्याय। संविधान शिल्पी भारतरत्न डॉ॰ बाबासाहेब अंबेडकर जी द्वारा इन संवैधानिक मूल्यों की प्रतिष्ठा की गई है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद–14, 15, 16, 17 और 18 में समता के अधिकार का उल्लेख है। भारत बहुसांस्कृतिक एवं बहुभाषिक राष्ट्र है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का उल्लेख है। इन संवैधानिक मूल्यों को हिंदी साहित्य के तहत जनसाधारण तक पहुँचाने का प्रयास इक्कीसवीं शताब्दी के जिन हिंदी साहित्यकारों ने कविता के क्षेत्र में किया है, उनमें डॉ॰ जयप्रकाश कर्दम, सूरजपाल चौहान, असंगघोष, जयप्रकाश लीलवान, मलखान सिंह, संतराम आर्य, सुशीला टाक भौरे, हेमलता महीश्वर, अनीता भारती, रजत रानी मीनू शीर्षस्थ हैं।

## 2. साहित्य सर्वेक्षण ( Review of Literature )

असंगघोष की कविताओं पर निम्नांकित अनुसंधान कार्य अभी तक संपन्न हुआ है–

संपा॰ हरिनारायण, (डॉ॰) कुमार, अनीश असंगघोष की कविताओं का समाजशास्त्रीय अध्ययन ('ईश्वर की मौत' कविता संग्रह के संदर्भ में).नई दिल्ली : 'कथादेश' ,अक्तूबर 2019

प्रस्तुत शोध-निबंध में असंगघोष की कविताओं का सामाजिक समता की दृष्टि से

 ISSN 0975-735X